"चंपारण-ज्ञानाग्रह"

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 15 अगस्त 2025, अंक –88.

सौजन्यः- GOVT. UMS औसानी, बगहा-2, प. चम्पारण (10010800501)

प्रस्तुति :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

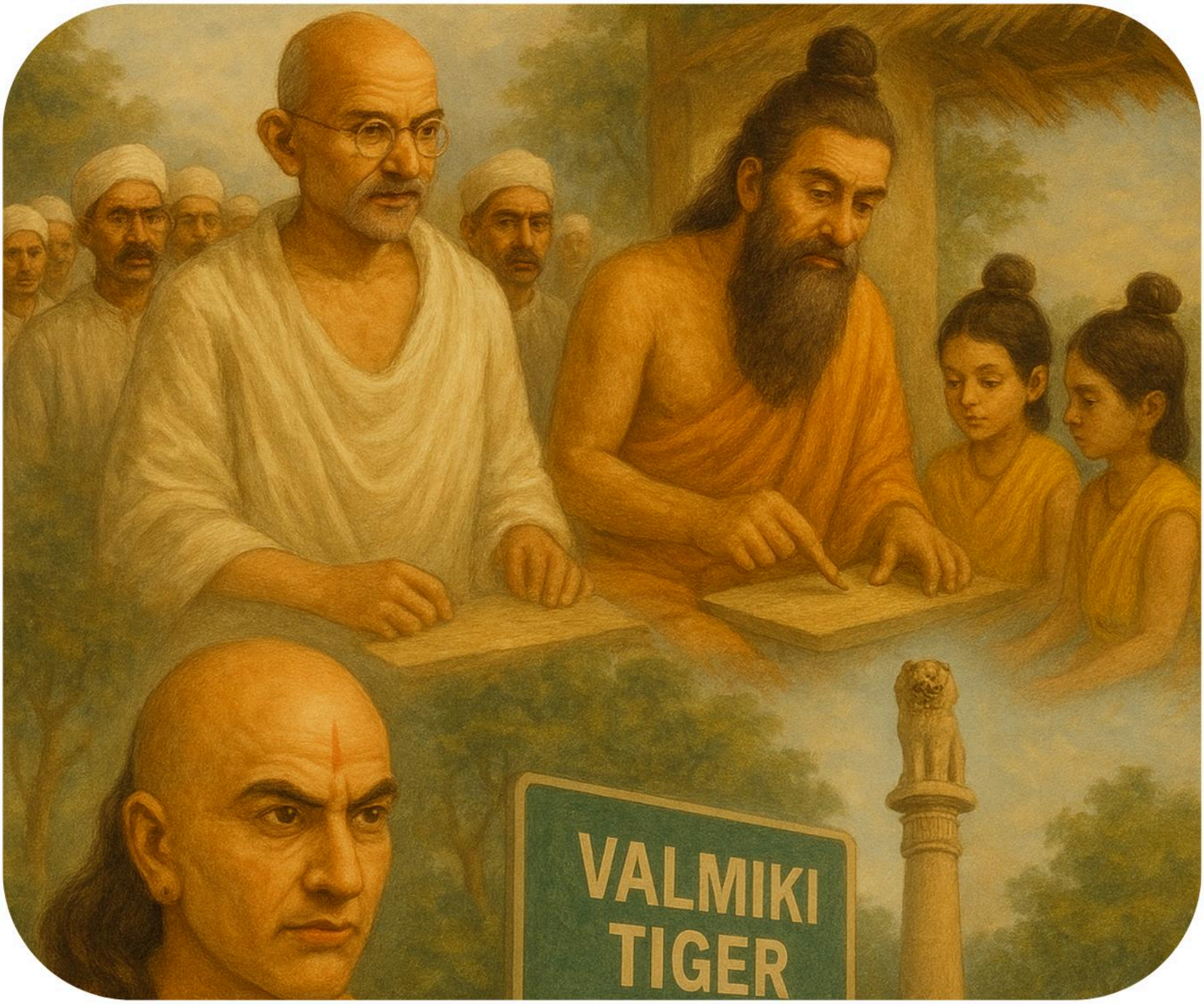

एक प्रयास

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

सामान्य ज्ञान

शुक्रवार-('स्वतंत्रता दिवस विशे

Q 1. प्रश्न: भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का सबसे भीषण नरसंहार कौन सा था? (२/९९)

A जलियांवाला बाग हत्याकांड

व्याख्या: 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में जनरल डायर के आदेश पर निहत्थे भीड़ पर गोलियां चलाई गईं, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। यह घटना स्वतंत्रता संग्राम का टर्निंग पॉइंट बनी।
(स्रोत: पंजाब का इतिहास; हंटर आयोग रिपोर्ट)

Q 2. प्रश्न: राष्ट्रीय ध्वज विदेश में सबसे पहले किसने फहराया?

A भीकाजी कामा

व्याख्या: 1907 में पेरिस में आयोजित भारतीय स्वतंत्रता सम्मेलन में भीकाजी कामा ने पहली बार भारतीय ध्वज फहराया।
(स्रोत: स्वतंत्रता संग्राम के महानायक — भारत सरकार)

Q 3. प्रश्न: स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा भाषण कहाँ से दिया जाता है?

A लाल किला

व्याख्या: हर स्वतंत्रता दिवस को प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हैं। यह परंपरा 1947 से चली आ रही है।
(स्रोत: पुरातत्व सर्वेक्षण भारत)

Q 4. प्रश्न: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना कब हुई

A 28 दिसंबर 1885

व्याख्या: 28 दिसंबर 1885 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई। प्रारंभ में यह राजनीतिक सुधारों के लिए बनी, लेकिन धीरे-धीरे यह स्वतंत्रता संग्राम का प्रमुख मंच बन गई।
(स्रोत: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अभिलेख)

सामान्य ज्ञान

Q 5. प्रश्न. भारत का राष्ट्रगान कौन सा है और इसके रचयिता कौन हैं?

A जन गण मन — रवीन्द्रनाथ ठाकुर

व्याख्या: 'जन गण मन' को 24 जनवरी 1950 को भारत का राष्ट्रगान अपनाया गया। यह पहली बार 1911 में कोलकाता में कांग्रेस अधिवेशन में गाया गया था। इसके शब्द भारत की एकता और विविधता को दर्शाते हैं।
(स्रोत: भारत का संविधान; संस्कृति मंत्रालय)

Q 6. प्रश्न: भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अंतिम डिजाइन किसने बनाया?

A पिंगली वेंकैया

व्याख्या: आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने भारत के तिरंगे का अंतिम स्वरूप डिज़ाइन किया, जिसमें तीन क्षैतिज रंग (केसरिया, सफेद, हरा) और बीच में अशोक चक्र है। इसे 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया।
(स्रोत: राष्ट्रीय ध्वज का इतिहास, संस्कृति मंत्रालय)

Q 7 . प्रश्न: भारत को स्वतंत्रता कब मिली?

A 15 अगस्त 1947

व्याख्या: लगभग 200 वर्षों के ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के पश्चात लम्बे संघर्ष, आंदोलनों, त्याग और बलिदानों के परिणामस्वरूप भारत को 15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि से स्वतंत्रता प्राप्त हुई। इस दिन पंडित नेहरू ने ऐतिहासिक "Tryst with Destiny" भाषण दिया। स्वतंत्रता का यह दिन पूरे देश में राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है।
(स्रोत: भारत का इतिहास, बिपिन चंद्र; राष्ट्रीय अभिलेखागार)

Q 8. प्रश्न: स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री कौन बने?

A जवाहरलाल नेहरू

व्याख्या: पंडित जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। 15 अगस्त 1947 को उन्होंने लाल किले से पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया। वे स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेता थे और उनकी नीतियों ने नवगठित भारत की दिशा तय की।
(स्रोत: भारत सरकार अभिलेखागार; नेहरू संग्रहालय)

सामान्य ज्ञान

9 प्रश्न. “Give me blood, I will give you freedom” किसने कहा था?

सुभाष चंद्र बोस ने

व्याख्या: नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने यह नारा 1944 में आज़ाद हिंद फौज के सैनिकों को संबोधित करते हुए दिया था, जिससे युवाओं में स्वतंत्रता के लिए प्राण देने का संकल्प जागा।
(स्रोत: नेताजी सुभाष चंद्र बोस संग्रहालय)

10. प्रश्न: अशोक चक्र में कितनी तीलियां होती हैं और उनका महत्व क्या है?

24 तीलियां

व्याख्या: 24 तीलियां समय के 24 घंटों और धर्म चक्र के 24 सिद्धांतों का प्रतीक हैं, जो जीवन में सत्य, न्याय और सतत गति का संदेश देती हैं।
(स्रोत: संस्कृति मंत्रालय; बौद्ध साहित्य)

11. प्रश्न: भारत और पाकिस्तान का विभाजन कब हुआ?

14–15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को

व्याख्या: 14–15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को भारत का विभाजन हुआ और पाकिस्तान अलग राष्ट्र बना। इसके कारण बड़े पैमाने पर दंगे, हिंसा और लगभग एक करोड़ लोगों का पलायन हुआ।
(स्रोत: राष्ट्रीय अभिलेखागार; माउंटबेटन योजना)

12. प्रश्न: भारत का राष्ट्रगीत कौन सा है और इसे किसने लिखा?

वंदे मातरम् — बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय

व्याख्या: ‘वंदे मातरम्’ बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना है, जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों में जोश भरने के लिए गाया जाता था। यह 1882 में ‘आनंदमठ’ उपन्यास में प्रकाशित हुआ था।
(स्रोत: साहित्य अकादमी; संस्कृति मंत्रालय)

अनुभाग-2

शब्द-संगम

. Inclusive(इन्क्लूसिव)=All-embracing(ऑल-इम्ब्रेसिंग) - समावेशी, सर्वग्राही
. Exclusive (एक्सक्लूसिव) = Selective (सिलेक्टिव) - विशेष, चयनात्मक
. Diverse (डायवर्स) = Varied (वैरिड) - विविध, भिन्न
. Similar (सिमिलर) = Alike (अलाइल) - समान, एकसमान
. Uniform (यूनिफॉर्म) = Consistent (कन्सिस्टेंट) - एकसमान, समान
(१/२१५)

अनुभाग-3

मुख्य समाचार

NATIONAL NEWS

1. ISRO Successfully Tests 'SuryaNet' Satellite-Based Rural Education Network, Connecting 1,200 Remote Schools Across 14 States.
2. This initiative uses satellite internet to deliver NCERT digital classes in real-time.
3. इसरो ने 'सूर्यनेट' सैटेलाइट आधारित ग्रामीण शिक्षा नेटवर्क का सफल परीक्षण किया, जो 14 राज्यों के 1,200 दूरस्थ स्कूलों को एनसीईआरटी की डिजिटल कक्षाओं से जोड़ेगा।

1. NCERT Releases Revised Class 11 and 12 Science Curriculum with New Chapters on AI, Space Tech, and Biotechnology Effective 2025-26 Academic Year.
2. Focus on updated research and emerging technologies in school education.
3. एनसीईआरटी ने 2025-26 शैक्षणिक सत्र से प्रभावी 11वीं-12वीं के लिए संशोधित विज्ञान पाठ्यक्रम जारी किया, जिसमें एआई, अंतरिक्ष तकनीक और जैव-प्रौद्योगिकी पर नए अध्याय शामिल हैं।

1. DRDO Launches Indigenous Supercapacitor Project for Electric Vehicles in Collaboration with IIT-Bombay.
2. The project aims to make cost-effective, high-capacity energy storage devices.
3. डीआरडीओ ने आईआईटी-बॉम्बे के साथ मिलकर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए स्वदेशी सुपरकैपेसिटर परियोजना शुरू की, जो सस्ती और उच्च क्षमता वाली ऊर्जा भंडारण तकनीक विकसित करेगी।

INTERNATIONAL NEWS

NASA’s JWST Detects Water Vapor in Atmosphere of Potentially Habitable Exoplanet ‘Kepler-1649c’.
The finding adds to the search for life beyond Earth.
नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने संभावित रूप से रहने योग्य ग्रह ‘केपलर-1649c’ के वायुमंडल में जलवाष्प का पता लगाया।

1. Scientists in Sweden Develop Injectable 'Skin in a Syringe' Gel for Scarless Burn Healing and 3D Skin Printing.
2. Could transform burn treatment and regenerative medicine.
3. स्वीडन के वैज्ञानिकों ने ‘सिरिंज में त्वचा’ नामक इंजेक्टेबल जेल विकसित किया, जो जलने पर निशानरहित उपचार और 3डी त्वचा प्रिंटिंग में सक्षम होगा।

1. Cornell Engineers Create First ‘Microwave Brain’ Microchip for Ultrafast, Low-Power Wireless Neural Processing.
2. Breakthrough in analog signal-based brain-like computing.
3. कॉर्नेल इंजीनियरों ने पहली ‘माइक्रोवेव ब्रेन’ माइक्रोचिप विकसित की, जो अल्ट्राफास्ट और कम ऊर्जा में न्यूरल प्रोसेसिंग कर सकती है।

BIHAR NEWS

1. Bihar Public Service Commission (BPSC) Announces TRE 4.0 Teacher Recruitment 2025 with 1.1 Lakh+ Vacancies.
2. Includes posts for primary to senior secondary level; 35% seats for women.
3. बीपीएससी ने टीआरई 4.0 शिक्षक भर्ती 2025 की घोषणा की, 1.1 लाख+ पद; प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक, 35% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित।

1. Bihar Board of Open Schooling Releases Admit Cards for Class 10 & 12 Exams Starting August 21 (Practicals) and August 25 (Written).
2. Admit cards available for students online.
3. बिहार ओपन स्कूलिंग ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के एडमिट कार्ड जारी किए; प्रैक्टिकल 21 अगस्त से, लिखित परीक्षा 25 अगस्त से।

SPORTS NEWS

1. Indian Olympic Association Formally Approves Bid to Host 2030 Commonwealth Games in India.
2. Paves way for infrastructure and sports education upgrades.
3. भारतीय ओलंपिक संघ ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए औपचारिक स्वीकृति दी, जिससे खेल अवसंरचना और शिक्षा में सुधार होगा।

1. Indian Chess Grandmaster Gukesh Wins St. Louis Rapid & Blitz Title, Strengthening India's Position in Global Chess Rankings.
2. Victory marks another milestone in India's chess dominance.
3. भारतीय ग्रैंडमास्टर गुकेश ने सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब जीता, जिससे वैश्विक शतरंज रैंकिंग में भारत की स्थिति और मजबूत हुई।

अनुभाग-4

प्रेरक-प्रसंग

शुक्रवार - "भाषण- 15th अगस्त"

"सकारात्मक सोच"

शैलेन्द्र..........✍

माननीय प्रधानाचार्य महोदय, आदरणीय शिक्षकगण, और मेरे प्यारे साथियों,
आज का दिन हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण दिन है। 15 अगस्त — स्वतंत्रता दिवस! यह सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि एक युग की शुरुआत है। एक ऐसे भारत की शुरुआत, जो जंजीरों को तोड़कर उठ खड़ा हुआ।

हम सब जानते हैं, यह आज़ादी हमें यूं ही नहीं मिली। इसके पीछे गंगा-यमुना जितनी गहरी एक बलिदान-गाथा है। हजारों वीर-वीरांगनाओं ने अपने लहू से आज़ादी की इबारत लिखी। महात्मा गांधी का सत्याग्रह, भगत सिंह का अदम्य साहस, चंद्रशेखर आज़ाद का विद्रोह, नेताजी सुभाषचंद्र बोस का "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा" का घोष — ये सब सिर्फ घटनाएं नहीं, बल्कि हमारी आत्मा का हिस्सा हैं। रानी लक्ष्मीबाई की तलवार, सरदार पटेल का एकीकरण और लाखों गुमनाम क्रांतिकारियों का योगदान — इतिहास के पन्नों में अमर है। हम उनके प्रति सिर झुकाकर कृतज्ञता अर्पित करते हैं।

1947 में हमने स्वतंत्रता पाई, लेकिन असली काम तब शुरू हुआ। एक टूटी-फूटी अर्थव्यवस्था, अशिक्षित जनता, और विभाजन का दर्द — सब हमारे सामने थे। परन्तु हमने हार नहीं मानी।

कृषि के क्षेत्र में हरित क्रांति आई। हमारे खेतों ने famine (अकाल) से भरपूर अन्न उत्पादन तक का सफर तय किया।
विज्ञान और तकनीक में हमने नई ऊँचाइयाँ छुईं। आईटी क्रांति ने भारत को दुनिया की डिजिटल शक्ति बना दिया।
हमने अंतरिक्ष में अपनी छाप छोड़ी — चंद्रयान और मंगलयान से लेकर हालिया गगनयान मिशन तक।
स्वास्थ्य सेवाओं में हमने वैक्सीन निर्माण में दुनिया को नेतृत्व दिया, खासकर महामारी के समय।
शिक्षा के क्षेत्र में IIT, IIM, AIIMS जैसी संस्थाएं विश्व मानचित्र पर चमक रही हैं।
खेलों में भी भारत ने अपना परचम लहराया — ओलंपिक से लेकर क्रिकेट विश्व कप तक। लेकिन साथियों, यह सफर यहीं खत्म नहीं हुआ है। आज का भारत, 140 करोड़ सपनों का भारत है। एक नई आशा का भारत।

भविष्य हमारे सामने है — उजाला भी, और कुछ बादल भी।
उजाला है — हमारी युवा शक्ति, हमारी तकनीकी क्षमता, हमारी सांस्कृतिक विविधता।
बादल हैं — गरीबी, बेरोजगारी, पर्यावरण संकट, सामाजिक असमानता और तेज़ी से बदलती दुनिया की चुनौतियाँ।
हमें तय करना होगा — क्या हम चुनौतियों के आगे रुकेंगे, या उनसे आगे बढ़ेंगे?
इसका उत्तर है — हम आगे बढ़ेंगे। लेकिन कैसे...???
शिक्षा के माध्यम से — हर बच्चे तक ज्ञान की रोशनी पहुँचाकर।
तकनीकी नवाचार से — आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर हरित ऊर्जा तक, भारत को आत्मनिर्भर बनाकर।
न्याय और समानता से — हर नागरिक को अवसर देकर, चाहे वह किसी भी वर्ग, जाति या धर्म का हो।
पर्यावरण संरक्षण से — नदियों, पहाड़ों और वनों को बचाकर, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी हरियाली और स्वच्छ हवा देख सकें।
आज का युवा, मतलब आप और हम — सबसे बड़ी शक्ति हैं।
हम अपने छोटे-छोटे कार्यों से भी बदलाव ला सकते हैं।
ईमानदारी से काम करना, सामाजिक जिम्मेदारी निभाना, डिजिटल दुनिया का सही इस्तेमाल करना — ये सब देश-निर्माण के हिस्से हैं।
याद रखिए — देश किसी एक नेता या सरकार से नहीं चलता। देश चलता है — हम सबके सामूहिक प्रयास से।
भारत सिर्फ एक भू-भाग नहीं है। यह एक भावना है। एक संस्कृति है। एक वचन है — "विविधता में एकता" का।
हमारे मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च — सब इसमें रंग भरते हैं। हमारी भाषाएँ, भोजन, त्यौहार — सब हमारे ताज के मोती हैं।
इसी एकता ने हमें आज़ादी दिलाई, और इसी एकता से हम भविष्य की ऊँचाइयाँ छुएंगे।
आज इस मंच से, हमें एक संकल्प लेना होगा।
संकल्प — कि हम अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करेंगे।
संकल्प — कि हम न केवल अपने सपनों, बल्कि शहीदों के सपनों को पूरा करेंगे।
संकल्प — कि हम अपने देश को उस मुकाम पर ले जाएंगे, जहाँ से पूरी दुनिया हमसे प्रेरणा ले।
हमारा इतिहास गौरवशाली रहा है। हमारा वर्तमान संघर्षशील और ऊर्जावान है। हमारा भविष्य — उज्ज्वल और असीम संभावनाओं से भरा हुआ है।
बस जरूरत है, हम सभी के जागरूक, जिम्मेदार और कर्मठ बने रहने की।
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सिर्फ झंडा न फहराएँ, बल्कि अपने दिल में भी एक ऐसा झंडा फहराएँ, जो जीवनभर लहराए — देशभक्ति का, कर्तव्य का, और एक समृद्ध भारत का।
जय हिन्द! जय भारत!

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

THANK YOU..! 🙏

"मेरे विद्यालय बदल रहे हैं, मेरा बिहार बदल रहा है।"

साभार...

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।